



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	१२-०१-२५		

The Tribune

₹8-cr grants given to entrepreneurs by business incubation centre in Hisar

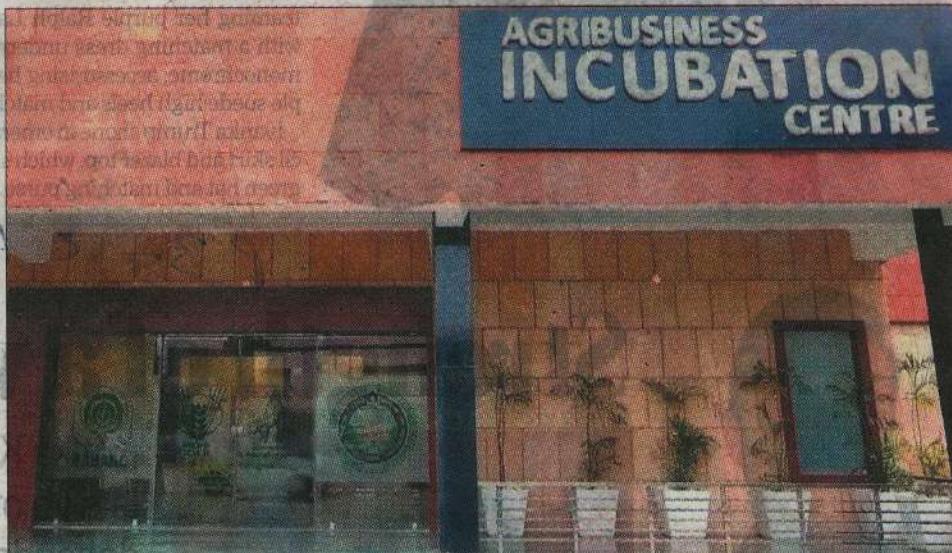
Tribune News Service

HISAR, JANUARY 21

The Agri Business Incubation Centre (ABIC) at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) has till now released grants worth Rs 8 crore to young entrepreneurs who started their ventures as startup for fostering youth entrepreneurship and self-reliance.

Prime Minister Narendra Modi highlighted startups from cities like Hisar and Ambala in his popular 'Mann Ki Baat' programme on Sunday. The recognition by the PM reflects the growing startup culture in smaller cities beyond the usual metropolitan hubs, said Prof BR Kamboj, Vice-Chancellor of the HAU. The PM said startups were gaining momentum in these regions, with women also taking a leading role, as more than half of the startups in smaller cities were being led by women entrepreneurs.

Prof Kamboj, while elaborating on the contribution of ABIC in promoting entrepreneurship, said that since its inception in 2019, the centre had provided financial assistance ranging from Rs 4 lakh to Rs 25 lakh to aspiring entrepreneurs, farmers and women aiming to start businesses based on innovative ideas. The centre has so far supported over 250 incubates and helped them



Through ABIC, the government has made provisions to encourage women entrepreneurs by offering an additional 10 per cent grant amount, further strengthening the drive for self-reliance.

access grants from the Centre, totaling over Rs 8 crore. These startups, which focus on agricultural innovations, are now generating a turnover of approximately Rs 20 crore and providing employment to around 1,600 people, the VC said.

He said that the ABIC played a pivotal role in guiding young people towards self-employment. "By providing training, funding and mentorship, the ABIC helped youth launch their own businesses, thus not only creating jobs for themselves but also contributing to the broader economy by offering employment to others. This initiative is especially significant in

rural and semi-urban areas, where traditional employment opportunities may be limited," he said.

Citing an example, the VC said that Rajendra Kumar from Satrod village had developed a winnowing machine with the help of a Rs 25 lakh grant, which had revolutionised cleaning of grains for farmers. "His company has sold 200 machines, while employing 15 persons and generating a turnover exceeding Rs 2 crore," the VC said. He said another success story was that of Praveen, who, after receiving Rs 5 lakh in support, was cultivating saffron using aeroponic technology. "This unique

method has not only allowed him to achieve a turnover of Rs 50 lakh but also enabled him to train hundreds of farmers in this innovative technique. His company now employs 10 persons," he said.

The VC said that ABIC not only provided financial assistance but also supported startups in obtaining patents, certifications and licences, ensuring that their products met industry standards. Through ABIC, the government had made provisions to encourage women entrepreneurs by offering an additional 10 per cent grant amount, further strengthening the drive for self-reliance, he said.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनिक भास्कर २५ जनवरी २०२४	२२-०१-२५	३	२-६

एचएयू के एबिक से ट्रेनिंग ले युवाओं ने शुरू किया स्टार्टअप, पीएम मोदी ने की सराहना **सातरोड के राजेंद्र ने बनाई विनोइंग मशीन, सुनील ने मोबाइल मोटर स्टार्टर, नरेश बना कर रहे पंचगव्य धूप**

भास्कर न्यूज | हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अम्बाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एची-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है।

एबिक स्टार्टर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एबिक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेट्स को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपए से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपए का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वो रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।



एचएयू वीसी
प्रो. बीआर
काम्बोज।

दीपिका मोटे अनाज, फल, ड्राइफ्रूट्स मिश्रण से बना रही बिस्किट

- सातरोड गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज धान, गेहूं, सरसों, बाजरा इत्यादि को साफ कर सकता है। अपी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टर्नओवर दो करोड़ से अधिक है।

- प्रवीण एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर ऐरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है।

- महिला उद्यमी दीपिका एबिक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोटे अनाज चक्कंदर, फल एवं सब्जियों, आंयल सीडस व ड्राइफ्रूट्स के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रुपए है व चार लोग कार्यरत हैं।

- सुनील ने एबिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की

- ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

- 5 सातरोड गांव निवासी नरेश कुमार ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगव्य से धूप, हवन समिधा, हैंडवॉश, हेयरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है।

- 6 रविन शर्मा ने एबिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम कोर्डिसेप्स मिलिट्रीरिस से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाउडर, कैप्सूल व अक्र बना रहे हैं जिसके सेवन से हमारे देश के खिलाड़ियों को बहुत फायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छह लोग कार्यरत हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२०१८ जनवरी	२२-०१-२५	५	५-६

‘एचएयू का एबिक युवाओं को बना रहा आत्मनिर्भर’

जागरण संवाददाता•हिसार : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप को लेकर हिसार शहरों में कार्यरत स्टार्टअप की स्थाना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

कुलपति प्रो. वी.आर. हमारे युवा काम्बोज।

नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रुचि दिखा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीआर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है।



हिसार जिले के स्टार्टअप

- सातरोड गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं।
- प्रदीप ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर एरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है।
- महिला उद्यमी दीपिका एबिक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोटे अनाज चकुंदर, फल एवं सब्जियां, आयल सीइस व ड्राईफ्रूट्स के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिरस्कुट व लड्डू बना रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रुपये है व छह लोग कार्यरत हैं।

लोग कार्यरत हैं।

- सुनील ने एबिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है।
- सातरोड गांव निवासी नरेश कुमार ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगव्य से धूप, हवन समिधा, हॉडवॉश, हेयरवाश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है।
- रविन शर्मा ने एबिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम (कोर्डिसेप्स मिलिट्रेरिस) से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छह लोग कार्यरत हैं।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरेस भूमि	२२ जून २५	१।	२-६

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने की हिसार व अंबाला के स्टार्टअप्स की सराहना

एचएयू का एविक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में निभा रहा अहम भूमिका : प्रो. काम्बोज

पीएम द्वारा हिसार के स्टार्टअप का जिक्र करना गर्व की बात है।

• हरिगौण न्यूज़॥ हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। हमारे सुवा आज केवल नोकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रुचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छाटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं।

एविक लैंटर ने 250 इंक्यूबेट्स को दिया प्रशिक्षण त सहयोग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में



हिसार। एविक का फाइल कोटो।

स्थापित एमी-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही है। छाटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं।

स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टन्नओवर है और 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एविक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेट्स को

प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एविक के माध्यम से 65 बेर्स इंक्यूबेट्स को

विनोदिंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं।

इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टन्नओवर 30 लाख से अधिक है।

► प्रवीण ने एविक से प्रशिक्षण व

5 लाख की सहायता दी जा रही है। इनकी कंपनी का टन्नओवर 30 लाख से अधिक है। एविक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे।

एविकोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इहोंने ► सुनील ने एविक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बढ़ावा देकर सकता है। इनकी कंपनी की टन्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

► सातरोड़ गंव निवासी नरेश

कुमार ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलपूत्र व पंचगाय से धूप, हवन, समझा, हेंडवॉश, हेवरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं।

इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टन्नओवर 30 लाख से अधिक है।

► रविन शर्मा ने एविक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम (कोंडेसेप्स मिलिटेंरिस) से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाउडर, कैप्सूल व अक्स बना रहे हैं जिसके सेवन से

हमारे देश के खिलाड़ियों को बहुत प्रायोग हो रहा है। इनकी कंपनी का टन्नओवर 50 लाख से अधिक है व छह लोग कार्यरत हैं।

अंबाला जिले के स्टार्टअप्स

1. विषेन सरीन ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर गाने के मूल्य संवर्धन प्रोडक्ट (गना चुस्की, गना जलबी, गना चाय व गुड़ इमली की चटनी) बना रहे हैं और किसानों को भी प्रशिक्षण दे रहे हैं।

2. विशाल ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर एक ऐसी डिवाइस तैयार की है जिससे किसान मिट्टी की नमी, मिट्टी में मौजूद पोटेशियम, मैग्नीशियम व अन्य पोषक तत्त्वों के बारे में जान सकते हैं। एविक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे।



हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब की सरी	२२-०१-२५	३	१६

**हकूमि का एविक सेंटर युवाओं को आत्मनिर्भर
बनाने में निभा रहा है अहम भूमिका**

2019 में शुरू हआ था सेंटर, अब तक कई युवा बदल चुके हैं अपनी किस्मत - मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के चुके हैं हिसार व अंबाला के स्टार्टअप्स लोग सरहदना

हिसार, 21 जनवरी (गढ़ी): बौद्धिरी चरण
सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित¹
एविक सेंटर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में
अहम भूमिका निभा रहा है। यह एविक सेंटर
क्षेत्र 2019 में अंतर्राष्ट्रीय हुआ था और अब तक
250 इंडिपेंडेंट्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया
जा रहा है।

जा चुके ह। जात रहे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की जात का पर्याम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गवर्नर की जात है। युवा आज कवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे वहाँ वे खुद का व्यवसाय करने में भी रुचि खिल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की जात में कहा कि हमारा स्टार्टअप चलाने वाले शहरों तक नहीं हैं। ऐसा ही कुछ करियाड़ा रहे हैं हारियाणा के अनेक युवा। यास जात रहे हैं कि महिलाएं भी स्टार्टअप सुरक्षा करने के लिए आगे आ रही हैं।



एविक का फाइल फोटो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा का प्रिव्हेट विद्यालय के कल्पनात्मक डी.आर.काम्पस ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एसी विजेनस इंजीनियरिंग सेंटर विद्यालय, उदयपुर की सिसांग तथा विजेनस ओं को विजेनस आईटीएस पर स्टॉर्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनंदान राशि प्रदान करता है।

भारत सरकार द्वारा एविक के माध्यम से 65 वेस्ट इंडियूबेट्स को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपए से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपए का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों का बोरोजार महैया करवा रहे हैं।

हिसार जिले के इन युवाओं
ने बनाई आपनी पहचान

सातरोड गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एविक से प्रशिक्षण
व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग

मरीन बनाई है, जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, रसों, बाजरा) इत्यादि को इस मरीन के माध्यम से बिल्कुल साफ़ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मरीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत हैं व कामपील का नवीनतम दो करोड़ से अधिक है।

प्रवीण ने एविक से प्रश्निकाण में 5 लाख की सहायता
राशि लैंकर एंट्रोनिक तकनीक से लैब में
केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों
किसानों को प्रश्निका देकर उस तकनीक से
अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टीआरओपर
50 लाख वृद्धि 10 लाखों का रोजगार दिया है।

-महिला उदायी दीपिका पांडित हक्कीन से प्रशिक्षण
व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोट अनाज चंडूदर,
फ्ल एवं सबज़ीयाँ, ऑयल सीडीस व डाइड्रॉफ्ट्स
के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए रिस्कर्ट व
लड्डू बना रही है। इनको कपनी का टाइमर
20 लाख रुपए है व वार लोग कार्यरत हैं।
-सुनील ने एकिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट

लेकर भौमाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोंबाइल से खेत की मोटर वाली बैंड व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्मोओर 3 क्रोरों से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजार महस्या करवा रहे हैं।

सातरोड़ गाय निवासी नरश कुमार ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगाय से धूप, हवन समिधा, हड्डवेश, हयवेश इत्यादि प्रोटक्ट बना रखे हैं। इनकी कृपनी में 7 लाग कार्यरत है व

कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है। रविन शर्मा ने एकिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कोडाइजी मश्रूम (कोडिसेप्स मिलिट्रीएस) से अपनी लैब मैं उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाड़ल, कैप्सुल व अक्र बना रहे हैं जिसके सेवन से हमारे देश के लोगों को बहुत कायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है तथा लोग कार्यरत हैं।

अवसर है। इस सेटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आमने-सरे निभाया दिशा में अभियान नेतर सरकार ने महिलाओं को उदाहरी बनाने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान राशि देने का प्रावधान रखा है। इसके साथ ही युवा, किसान व उदाहरी एविक सेटर के माध्यम से कावि के क्षेत्र में प्रोत्साहन, मूल्य संवर्धन, सर्विसेंस, पैकेजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की ओपरेशन संभालने तक लाश

संग्रहालय जिले के स्टार्टआप

- विपेन सरान ने एविक से प्रशिक्षण पर 5 लाख की ग्रांट लेकर गने के मूल्य संरचना प्रोडक्ट (गना चुरूकी, गना जलेबी, गना चाय व गुड़ इमली की बनी) बना रखे हैं और किसानों को भी प्रशिक्षण दे रहे हैं।

करवाने में अहम भूमका निभाता है। इस सदर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल आपनी कंपनी का टूट-अप करोड़ों रुपये तक पहुंचाया है अपेक्षित उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है।

प्रो. वी.आर. कामोदी, कुलपति हक्कावि-





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आजीत समाचार	२२-०१-२५	५	१-५

ए.ए.यू. का एविक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 21 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। हमारे युवा आज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रुचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छोटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित पश्चि-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, डिमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने की हिसार व अबाला के स्टार्टअप्स की सराहना

एविक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एविक के माध्यम से 65 कुमार एविक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर बिनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सासों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है।

एविक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एविक के माध्यम से 65 कुमार एविक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर बिनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सासों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है।

एविक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्राइंडिंग काके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। एविक स्टार्टअप्स की नवीनतम तकनीक को पेटेंट स्टीफिकेशन, लाइसेंस एवं फॉलिंग करवाने में अहम भूमिका निभाता है। इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ों रुपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	21.01.2025	--	--

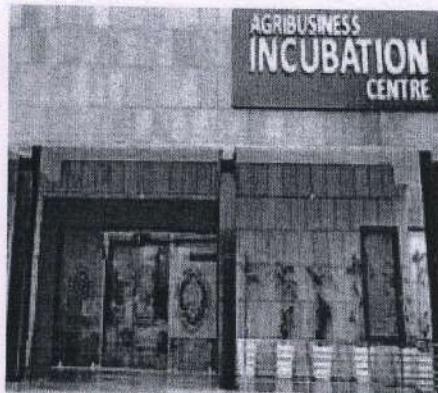
एचएयू का एविक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है : प्रो. बी. आर. काम्होज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गवर्नर की बात है। हमारे युवा आज केवल नैकरी के ही पैरेंगे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी हाँच दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बहु शाहरों तक ही सीमित नहीं है। बाल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छोटे शहरों में अधिक से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। जीश्वरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्होज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एच-विजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को विजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एविक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण के सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एविक के माध्यम से 65 वेस्ट इंक्यूबेट्स को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये में अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वे रोजगार मुहूर्या करता रहे हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के एच-विजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। इससे जुड़कर युवा अपना व्यवसाय शुरू कर रहे हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करने वाले युवाओं ने वाले केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक वेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है।

हिसार जिले के स्टार्टअप्स

सारतोड़ गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एविक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोदीय भर्तीय बनाई है जिससे किसान अपना अनाव (शान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के



प्रायग्रहण से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत हैं वे एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर गने के मूल्य संबंधन प्रोहृष्ट (गना चुम्की, गन्ना जलेवी, गन्ना चाप व एह इमली की चटनी) बना रहे हैं और किसानों को भी प्रशिक्षण दे रहे हैं। विश्वविद्यालय ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर एक ऐसी डिवाइस तैयार की है जिससे किसान गिर्दी की गनी, गिर्दी में भीजूद पोटीशियम, मैनीशियम व अन्य पोषक तत्वों के बारे में जान सकते हैं। एविक सेंटर से प्रशिक्षण व विश्वविद्यालय लेकर युवा लैंब में कंसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। युवाओं प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत बनाया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है। का महिला उद्यमी दीपिका एविक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगी। भारत सरकार ने मोटे अनाज चक्कुद, फल एवं सर्जिया, औल सीड्स व महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान ड्रॉफ्टस के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना राशि देने का प्रावधान रखा है। इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रुपए है व वे चार लोग एविक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में ड्रॉसेसिंग, मूल्य संबंधन, कार्यरत हैं। का सुनीत ने एविक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट से कृषि के क्षेत्र में ड्रॉसेसिंग, मूल्य संबंधन, लेकर नोबाइल मॉटर स्टार्टअप्स की विविधतम तकनीक को पेंट से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद स्टीफिकेशन, लाइसेंस एवं फाइंडिंग करवाने में अहम भूमिका निभाता व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मूहिया करवा अपनी कंपनी का टर्न ओवर कराड़े रुपए तक पहुंचाया है अपितु रहे हैं। साताहुँ गांव निवासी नरेश कुमार ने एविक से प्रशिक्षण व उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है।

5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचवन्ध्य से धूप, हवन समिधा, हैंडवॉश, हैयरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत हैं वे कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है। रविन शर्मा ने एविक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कोड्याडी भर्तरूम (कोर्डिसेम मिलिट्रिरिस) से अपनी लैंब में ऊपादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोटेस करके पाड़द, कैप्सूल व अंक बना रहे हैं जिसके सेवन से हमारे देश के खिलाड़ियों को बहुत फायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है वे छोटे लोग कार्यरत हैं।

अंबाला जिले के स्टार्टअप्स

विषेन सरौल ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर गने के मूल्य संबंधन प्रोहृष्ट (गना चुम्की, गन्ना जलेवी, गन्ना चाप व एह इमली की चटनी) बना रहे हैं और किसानों को भी प्रशिक्षण दे रहे हैं। विश्वविद्यालय ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर एक ऐसी डिवाइस तैयार की है जिससे किसान गिर्दी की गनी, गिर्दी में भीजूद पोटीशियम, मैनीशियम व अन्य पोषक तत्वों के बारे में जान सकते हैं। एविक सेंटर से प्रशिक्षण व विश्वविद्यालय लेकर युवा लैंब में कंसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। युवाओं प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत बनाया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है। का महिला उद्यमी दीपिका एविक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगी। भारत सरकार ने मोटे अनाज चक्कुद, फल एवं सर्जिया, औल सीड्स व महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान ड्रॉफ्टस के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना राशि देने का प्रावधान रखा है। इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रुपए है वे चार लोग एविक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में ड्रॉसेसिंग, मूल्य संबंधन, कार्यरत हैं। का सुनीत ने एविक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट से कृषि के क्षेत्र में ड्रॉसेसिंग, मूल्य संबंधन, लेकर नोबाइल मॉटर स्टार्टअप्स की विविधतम तकनीक को पेंट से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद स्टीफिकेशन, लाइसेंस एवं फाइंडिंग करवाने में अहम भूमिका निभाता व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मूहिया करवा अपनी कंपनी का टर्न ओवर कराड़े रुपए तक पहुंचाया है अपितु रहे हैं। साताहुँ गांव निवासी नरेश कुमार ने एविक से प्रशिक्षण व उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार

सिटी पल्स

पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
न्यूज	21.01.25		

एचएयू का एविक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की समराहना की है। हमारे युवा अज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रुचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छाटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि स्थापित एप्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप लाख रुपए तक

जिले के स्टार्टअप्स

सातरोड़ गाँव निवासी राजेन्द्र कुमार एविक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूँ, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रुपए है व यार लोग कार्यरत हैं।

प्रवीण ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर एप्रीफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खोती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का

की अनुदान राशि प्रदान करता है। एविक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण व सहयोग

टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है।

महिला उद्यमी टीपिका एविक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की गांट लेकर मोटे अनाज चक्कांदर, फल एवं सब्जियां, ऑयल सीडिस व ड्राइफूट्स के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिक्कट व लदू बना रही है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रुपए है व यार लोग कार्यरत हैं।

सुनील ने एविक से प्रशिक्षण व 10 लाख की गांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंट व घालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मुहैया करवा

दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एविक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेट्स को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की

रहे हैं।

सातरोड़ गाँव निवासी नरेश कुमार ने एविक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, गलमूत्र व पंचगाव्य से धूप, हवन संग्राह, हेंडवॉश, हैयरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी ने 7 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है।

रविन शर्मा ने एविक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशीरम (कोईसीएस मिलिट्रेट्स) से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाउडर, कैप्सूल व अक्र बना रहे हैं जिसके सेवन से हगारे देश के खिलाड़ियों को बहुत फायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छह लोग कार्यरत हैं।

ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वो रोजगार दे चुके हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ नि ५ माई २०२२	२२-०१-२५	५	६-८

एयाएयू में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण हुआ संपन्न

बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग का भी दिया प्रशिक्षण, 60 युवाओं ने लिया हिस्सा

भारतपर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

किसानों को प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी देने के साथ उच्चत किस्म के बीजों, रसायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में



जागरूक किया जा रहा है। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अधिकारी रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभि’ उत्तमा	22-01-25	५	५-५

दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाने व बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया



एचएयू हिसार में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित करते मुख्य अतिथि। स्रोत: संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' और 'बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिए गए।

इन प्रशिक्षणों में 60 युवक व युवतियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि भैंस अनुसंधान संस्थान के

निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता ने कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा, डॉ. सतीश ने सीएफएसटी विभाग के पायलट प्लांट का भ्रमण करवाया। इस मौके पर डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूषण सिंह और डॉ. विकास हुड़ा भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ नं ५ जानूर्षा	२२-०१-२५	५	७-४

'बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग' विषय पर प्रशिक्षण संपन्न



हकृषि में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन पर मुख्यालियि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

जासं-हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया।

मिलेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर ऐस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। संस्थान के सह-निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समूचार पुत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीर्घ भूमि	२२-०१-२५	।।	३-६

प्रशिक्षण स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प : डॉ. दत्त

■ हृषि में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने व बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग के प्रशिक्षण संपन्न

हरिगौनि न्यूज़ || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अनुसंचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों



हिसार। मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

एवं युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि उपरोक्त

प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की।

सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को दूध से बर्फी, पनीर, सुर्गाधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजर पाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेस्ड मिल्क इत्यादि तैयार करने पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ उन्हें एंटरप्रेन्योर बनने, स्वयं सहायता समूह के बारे में भी बताया। डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकाश हुड्डा भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उड़ान समाचार	२२-०१-२५	५	६-८

हृषि में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने व ‘बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग’ के प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 21 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्व रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। किसानों को भी प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी देने के साथ-साथ उन्नत किस्म के बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, आर्गनिक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को ‘दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने’ तथा ‘बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग’ विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार



मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के स्वयं सहायता समूह बनाने के बारे में भी लिए बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने बताया। इसी प्रकार बेकरी के प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और में कई तरह के मूल्य संवर्धित उत्पाद अध्ययन सामग्री भी वितरित की। जैसे बाजार बिस्किट, फ्रूट केक, कप केक, प्रेशर कुकर से बटर केक, तिल के कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के लड्डू, चौलाई के लड्डू, पिज्जा, उपमा और सास चटनी जैसे उत्पाद तैयार करने के सीरीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को दूध से बफ्फी, पनीर, सुर्गीधि दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजर पाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बफ्फी, केसर खीर, कुलभी, कोण्डेस्ट मिल्क इत्यादि तैयार करने पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ उन्हें एंटरप्रेन्योर बनाने गया। भैंस अनुसंधान संस्थान के डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकाश हुड्डा भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार	पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	न्यूज	21.01.25		

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' व 'बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग' के प्रशिक्षण संपन्न भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता रहे मुख्य अतिथि

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संयना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज के माननीय रूप से बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्व रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। किसीनो को भी प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी देने के साथ-साथ उन्नत किस्म के बीज, गर्मायनक उबरको, कीटनाशकों, आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेतों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में



मिलेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता

मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। अश्ययन सामग्री भी वितरित की। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को दूध से बफ्फो, पनीर, सुधारित दूध, दही, लस्सी, श्रीखड़, गाजर पाक, धी, रसगुल्ला, ढोड़ा वारी, केसर खीर, कुरुक्षेत्री, कोणडेस्ट मिल्क इत्यादि तैयार करने पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ उन्हें एंट्रोप्रोट्रो बनाने, स्वयं सहायता समूह बनाने के बारे में भी बताया। इसी प्रकार बेकरी के

प्रशिक्षण में कई तरह के मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे बाजार विरिक्ट, प्रूट केक, क्रप केक, प्रेशर कूकर से बटर केक, तिल के लड्डू, चॉलाई के लड्डू, पिज़ज़ा, उपमा और सॉस चटनी जैसे उत्पाद तैयार करने के लिए व्यावहारिक जानकारी देने के साथ-साथ खाद्य और पोषण विभाग की बेकरी इकाई और सीएफएसटी विभाग के पायलट स्टार्ट का भ्रमण भी करताया गया। भैंस अनुसंधान संस्थान के डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकाश हुड़ा भी उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया तथा कार्यक्रम में आए हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों एवं घर्जानिकों का डॉ. डॉ.के. शर्मा ने घन्घवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५८१८ सं१२	22.01.25		

हफ्ते में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद पर प्रशिक्षण संपन्न

- भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता रहे मुख्यातिथि

मालवा न्यूज़/सुरेन्द्र भैंसी

हिसार, 21 जनवरी: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपाति प्रो. वी. अहर, काम्बज के मानोदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्व रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। किसानों को भी प्रशिक्षण के माध्यम



मुख्यातिथि के साथ प्रशिक्षणार्थी व अन्य।

से तकनीकी ज्ञानकारी देने के साथ-साथ ऊपर फिस्म के बीचों, रासायनिक उत्पादकों, कोटनाशकों, व्यागेनिक एवं प्राचीनतक खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के

युवकों एवं युवतियों वो 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेचनी में मिलेट्रस के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया। वार्षिक्रम के

समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सतीश भेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक चेतना	22.01.25		

**‘हकूमि में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने’
व ‘बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग’ के प्रशिक्षण संपन्न**

संस्थान में अनुशृणुक जाइ/अवगति के तुक्कों पर सुनिश्चीयों को 'दूप से पूर्ण संवृष्टि' उत्पाद लेना बहुत तक 'खेली' में फिलेट्स के प्रयोग' विषय पर वाच टिप्पणीयों दो प्रश्नालय दिए गए। इ



प्रशिक्षण में ६० युवकों पर प्रयोगीयों ने अपने विवेच कराये जाने के समाप्तन ३५वां पट प्रशिक्षण संस्थान के निर्देशक डॉ. गोपी कुमार दत्ता ने लक्ष्मण भट्टाचार्य रही। उन्होंने प्रशिक्षणाधिकारी को संस्कृत विद्यालय के एक विद्यार्थी के रूप में बताया।

उपर्युक्त प्रतीकों के लिए स्वामी ब्रह्मा के निषेध वैदिक शिक्षण है। उन्हें प्रतीकाल्पनिकों से प्रश्न एवं और अन्यथा जवाब भी दियता जाता है।

मर्मले महात ने दूध से पूर्ण
मंडपीय लकड़ी तोपार करने के
बारे में बताया। उन्होंने पृष्ठभूमि
को दूध से भरी, पोर, गुणित
दूध, दौर, लसी, शीशुद, गाजर
फल, थी, लकड़ी, दोर वर्षी,
केसर और, कम्फ्री, लोकटेन
सिंचन इलाही तोपार करने पर
जागरूकताक उन देने के सम्ब-

मध्य उन्हें एटार्डिनोर बनाये, मध्य
महानगर लघू बनाने के लाई में
वी चलता।

इन प्रश्नों के उत्तर में कही तरह के मूल स्थानीय उपराज और उपराजिक विभाग, पूर्ण केन्द्र, कर बोर्ड, रेलवे कमिशन एवं बटारी केन्द्र, जिस के लगु बैलौरा के लगु विभाग, उत्तराखण्ड और उपराज और उपराजिक विभाग काले के लिए व्यावहारिक नवकारी देने के साथ-साथ देश और देशवाले विभाग को विकास और संवर्धन के लिए प्रभावी काम करने के पालनपालन चाहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक चेतना	22.01.25		

एचएयू का एविक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अह्य भूमिका निभा रहा है: प्रो. काम्बोज

हिसार, चेतना संबाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कर्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कर्यरत स्टार्टअप्स की सहभागी की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। हमारे युवा आज केवल नीकरी के ही पौछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रुचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छोटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-विजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों



तथा महिलाओं को विजनेस अड्डिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एविक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एविक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेट्स को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टर्नओवर है और

करीब 1600 लोगों को वो गेजगार मुहैया करवा रहे हैं।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री विजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। इससे जुड़कर युवा अपना व्यवसाय शुरू कर रहे हैं और अन्य लोगों को भी गेजगार प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना कवल स्वयं का गेजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को गेजगार भी उपलब्ध करवाया है।

क सातरोड़ ग्राम निवासी गजेन्द्र कुमार एविक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर बिनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (भान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इलादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है।